

## CORONA ORONA ORONA

#### QUESTIONS?

**MUNI INTERNATIONAL SCHOOL** 



#### **Epidemic**

प्रकृति में असंतुलन करते हुए अनेक महामारियों को आमंत्रित किया जैसे हैजा, प्लेग, टीबी, इबोला आदि। लेकिन आदमी की पहुंच सिमित होने के कारण, सीमाओं में बटे होने के कारण, सिमित जनसँख्या होने के कारण ये महामारिया नियंत्रित हो गई और इंसान को मौका मिलने के कारण उसने दवाइया भी बना ली जिससे कुछ हजार या कुछ लाख लोगो की ज़ाने ही गई। महामारियां विश्व स्तर पर नहीं फ़ैल पाई। ये निश्चित सीमाओं में ही रह गई।



#### War

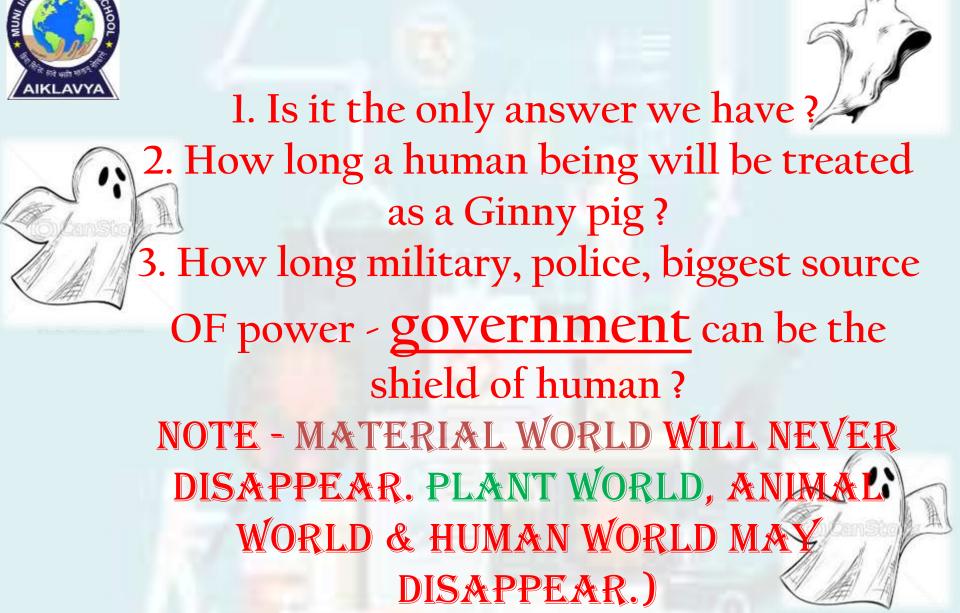
दुनिया उत्सव के त्यौहार मनाते मनाते कही आपस में हाइड्रोजन और परमाणु बमों को एक दूसरे पर फोड़ते हुए कही अपने विनाश को आमंत्रित न कर ले। ये दौर न आये क्योंकि इस दौर के सिग्नल बार बार आये है। इंसानी गल्तियां या इंसान का प्रकृति के साथ खिलवाड़, संबंधों की पहचान न करना - इससे ये हुआ की एक युद्ध तो इंसान ने इंसानों के साथ सम्पति के लिए हथियारों से किया। दूसरा ऐसा युद्ध भी लड़ा है और लड़ भी रहा है जो उनकी स्वयं की गलतियों का परिणाम रहा है,



We are trying to control it with restriction of boundaries and medicines.



परन्तु वैश्वीकरण के इस दौर में जहाँ पूरा विश्व सिमट गया है और सीमायें ख़तम हो गई है। आज भौतिक सीमाओं की जगह पेपर सीमाएं है। आप किसी भी देश में पेपर वीजा लेकर घूम सकते है कोई आपको नहीं रोकेगा। इसलिए आज इंसान की पहुंच, गति और सघनता भी बढ़ गई है जिसके कॉरण इन महामारिओं का ग्राफ भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है जिसका नमूना है करोना कोविड-१९। पूरा विश्व इतना भयभीत पहले और दूसरे विश्व युद्ध में भी नहीं था जितना आज इस करोना वायरस से है। कहानी कुछ और भी





It is crystal clear that every body & every particle of universe is thoroughly connected to each other in well connected manner and in interdisciplinary with उपयोगिता और पूरकता के अर्थ में





- 1. Is it not the success of criminal mind or the conspiracy of few percentage of ill minds?
- 2. Is it not the sign of biggest failure of the modern World education?

  It is beginning...... Not end



#### **ANSWER**

It is the time to think about BHARTIYA DARSHAN of universe i.e. COEXISTENCE? ऋषियों की समर्पित जीवन परंपरा, रिसर्च, ऋषि-मुनियों द्वारा परंपराओं की समाज में स्थापना ....

4. Is it not time to add the universal human values in education?

### Rivers, mountains, animals have been worshiped and preserved in

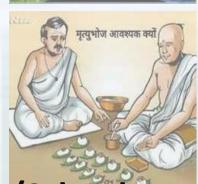
BHARTIYA TRADITION which are completely science based and complementary.













#### It is time to start

- 1. व्यक्ति में समाधान
- 2. परिवार में समृद्धि
  - 3. समाज में अभय
- 4. प्रकृति में संतुलन
- 5. ब्रह्माण्ड में सहअस्तित्व

It is time for wide spread of Muni

International School Method....



भारत एक सनातनी देश है। आओ भारत को दुनिया के प्रत्येक देश में स्थापित कर दे। क्योंकि अगर भारत बचा तो दुनिया बचेगी। यदि दुनिया बचानी है तो भारत को उदाहरण बनना पड़ेगा। वैसुधैव कुटुम्बकम को सभी स्कूलों और शिक्षा का एकमात्र नारा होना पड़ेगा।



# Muni international school – Modern Gurukul with SAMYANUKUL and YUGANUKUL

It's a school based on values and values before skills



शिक्षा: जीने के लिए ज्ञान। ज्ञान : जिससे जीवन उत्सव पूर्वक जिया जा सके। में शिक्षित होकर 1- स्वस्थ्य रह सकूं। 2- समृधि पूर्वक जी सकूं। 3- संबंधों में तृप्ति पा सकूं। 4- व्यवस्था में भागीदार हो सकूं। शिक्षित व्यक्ति पर सवार तीन भूत। 1- लाभोन्मादी अर्थशास्त्र (पैसा ही सब कुछ है।) 2- कामोन्मादी मनोविज्ञान (इन्द्रियों में ही सुख है।) 3- भोगोन्मादी समाजशास्त्र (सुविधा ही जीवनशैली है।)



#### **MUNI INTERNATIONAL** SCHOOL UNIVERSE के EXISTENCE की ACADEMIC NEED का MANIFESTATION है.



#### **MUNI INTERNATIONAL** SCHOOL IS NOT THE DESIRE OF SOMEONE OR COMMUNITY BUT IT IS ACADEMIC **MANIFESTATION OF** UNIVERSAL EXISTENCE



## World will not join Muni WHILE MUNI WILL JOIN WORLD THROUGH YOU

In Present, Nature is reclaiming its status for synergy in universe. Will you do it willingly or after destroying self.



### Sorry is going to be out of stock NOW for human beings. May we order it for you?